संदेही को पकड़ने गई पुलिस से झूमाझटकी

11 पुरुष व सात महिलाओं पर प्रकरण दर्ज, बुढ़ार की घटना

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले में गुरुवार की रात बुढार के ईरानी बाड़ा में कुछ लोगों ने पुलिस के साथ मऊगंज जैसी घटना करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी और सक्रियता के चलते उनके मंसूबे नाकाम हो गए। दरअसल पुलिस एक संदेही को पकड़ने ईरानी बाड़ा गई थी, तभी पुलिस टीम के साथ झूमा झटकी और गाली गलौज की गई। इस घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को मामूली चोट भी पहुंची। भीड़ के उग्र होने के बावजूद पुलिस उस संदेही को थाने लाने में सफल हो गई। पुलिस ने 18 लोगों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज किया है।

इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले की पुलिस एक संदेही को गिरफ्तार करने बुढ़ार आई हुई थी। इसके लिए उसने बुढार पुलिस से सहयोग मांगा और गुरुवार रात लगभग साढ़े दस बजे बुढ़ार की पुलिस के साथ महाराजगंज के पुलिसकर्मी संदेही फिरोज अली को गिरफ्तार करने बुढार स्थित ईरानी बाड़ा पहुंचे। पुलिस कर्मी फिरोज अली को हिरासत में लेकर जब जाने लगे तभी ईरानी बाड़ा से अचानक कुछ पुरुष और महिलाओं का समूह आ गया और इन लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ झूमाझटकी और गाली गलौज करते हुए फिरोज को छुड़ाने की कोशिश की। यह ईरानी किसी भी कीमत पर फिरोज को पुलिस के साथ नहीं ले जाने देना चाह रहे थे। लेकिन पुलिसकर्मी संदेही फिरोज को लेकर थाने आ गए। इस घटनाक्रम में कुछ पुलिस कर्मियों को मामूली चोट पहुंची। ऐसा भी बताया जा रहा है कि इन लोगों ने पुलिस के वाहन में तोड़फोड़ करने की भी कोशिश की लेकिन वह इसमें भी सफल नहीं हो सके।

पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि 18 आरोपियों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज किया गया है जिसमें 11 पुरुष और सात महिलाएं शामिल हैं।

वहीं घटना के संबंध में बुढार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया कि आरक्षक बलभद्र सिंह की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 132, 221, 296, 115 (2), 351 (3), 3 (5) का प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी बताया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। लेकिन इससे उलट शनिवार को सोशल मीडिया पर जमकर ऐसी खबरें वायरल हुई जिसमें यह बताया गया कि पुलिस पर भारी हमला हुआ है और कई पुलिसकर्मियों को चोट पहुंची है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला की मौत

शहडोल, देशबन्धु। जैतपुर के तितरा गांव में शनिवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

शनिवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक मौसम खराब हो गया। तेज हवा के साथ ओले गिरने लगे। रमसखिया केवट(55) कुनुक नदी किनारे अपने खेत में सब्जियों की देखरेख करने गई थीं। ओले गिरने से वे अपने खेत में बनी झोपड़ी में आ गई।

इस दौरान झोपड़ी पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के खेतों में मौजूद लोगों ने तेज धमाका सुना। कुछ देर बाद जब वे अपनी झोपड़ियों से बाहर निकले तो महिला की झोपड़ी से धुआं निकलता देखा। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जैतपुर थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

चक्काजाम करने वाले वकीलों एवं नागरिकों पर मामला दर्ज

ब्यौहारी, देशबन्धु। नगर परिषद के अंतर्गत तहसील कार्यालय के सामने विगत 20 मार्च को तूफान वाहन द्वारा एक्सीडेंट कर दिया गया, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई, दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों व्यक्ति पेशी करने एसडीएम कार्यालय में आये हुये थे।

एक्सीडेंट के बाद वहां से वाहन भाग गया, जिससे आक्रोशित होकर अधिवक्ताओं ने चक्काजाम करके धरना शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि जब तक दोनों तरफ स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया जाएगा, तब तक हाईवे नहीं खोलेंगे। पुलिस प्रशासन द्वारा समझाइश दी गई, लेकिन नहीं माने। चक्काजाम 1.30 बजे से 3.30 बजे तक चला। एसडीएम सौम्या आनंद द्वारा जब ठेकेदार को बुलाकर ब्रेकर बनाने का निर्देश दिया और ब्रेकर बनना शुरू हो गया, तब धरना समाप्त किया गया अधिवक्ताओं की सर्वाधिक जाम हो गया का यात्री परेशान हुई कई यात्री बसें और ट्रांसपोर्ट वहां रुक रहे अधिवक्ताओं द्वारा सड़क जाम करने पर अपराध पंजीबद्ध किया गया, जिसमें संतोष शुक्ला, राजकुमार शर्मा, भगवान सिंह, विनोद ताम्रकार ,अफसर अली ,प्राणेंद्र उपाध्याय सुखेंद्र परोहा, सीतेश त्रिवेदी, हरिशंकर कोरी एवं अन्य 40-50 लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2) 191(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में दिया गया है।

अधिवक्ता विनोद ताम्रकार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 3 साल से हम लोग ज्ञापन सौंप रहे थे। लगातार मांग कर रहे थे, इसके बाद भी शान हमारी मांगों को अनसुना कर रहा था, जिस दिन घटना हुई काफी सारे लोग आक्रोषित हो गए और चक्का जाम करना पड़ा। पुलिस द्वारा जो अपराध दर्ज किया गया है वह सरासर गलत है अभी यदि 10 दिनों के अंदर कैमरे नहीं लगाए जाते तो फिर से हम लोग चक्का जाम करेंगे।

सार-समाचार

ट्रक चालक ने बस को मारी टक्कर, गिरते-गिरते बची

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले के बुढार थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यहां रेलवे पुल के पास नशे में धुत्त ट्रक चालक ने यात्री बस को ठोकर मार दी। पक्षीराज कंपनी की यह बस रीवा से शहडोल होते हुए बुढार धनपुरी जा रही थी। इस हादसे में बस रेलवे पुल से नीचे गिरने से बच गई, लेकिन यात्रियों में दहशत फैल गई। घटना के बाद रेलवे पुल पर वाहनों का लंबा जाम लग गया और रस्ता बड़ी देर तक बाधित रहा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिले के बुढार थाना क्षेत्र के रेलवे पुल के पास इस वक्त अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया जब एक विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक सामने से आ रही यात्री बस को टक्कर मार दी। टक्कर से बस अनियंत्रित होकर रेलवे पुल से नीचे गिरते गिरते बची, इस दौरान बस में सवार यात्रियों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। घटना के बाद अज्ञात ट्रक चालक व बस चालक के बीच भिड़ंत को लेकर विवाद की स्थित निर्मित हो गई। इस दौरान रेलवे पुल के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। काफी देर तक रेलवे पुल के पास जाम लगा रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पक्षीराज कंपनी की यात्री बस क्रमांक एम पी-18-पी-0927 रीवा से शहडोल होते हुए बुढार धनपुरी की ओर जा रही थी। तभी बुढार थाना क्षेत्र से महज 5 सौ मीटर की दूरी पर स्थित रेलवे पुल के पास ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक चालक शराब के नशे में धुत्त था और आबादी वाले क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक चला रहा था। इस मामले में बुढार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया कि एक अज्ञात ट्रक द्वारा तेज रफ्तार से ट्रक चलाने और बस को टक्कर मारने के कारण जाम किस स्थित निर्मित होने की सूचना मिली थी। तुरंत मौके पर पुलिस टीम को भेजा गया हालांकि ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया है। उसकी तलाश कर उपयुक्त कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांगों व वृद्धों का किया रजिस्ट्रेशन

शहडोल, देशबन्धु। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह ने जनपद पंचायत सोहागपुर में आज दिव्यांगों एवं वृद्धजनों के लिए आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। आयोजित शिविर में एडिप एवं वयोश्री योजना के अंतर्गत कुल 75 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया। जिनमें 34 लोगों को इन दोनों योजनाओं हेतु सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग के लिए चयनित किया गया। दिव्यांगों एवं वृद्ध जनों को इन योजनाओं के अंतर्गत मोटराइज्ड साइकिल, वॉकर स्टिक, व्हीलचेयर, ट्राईसाईकिल प्रदाय किए जाने हेतु पंजीयन की कार्यवाही की गई।

दो ट्रक और दो पिकअप वाहन जब्त, मिले 54 मवेशी, चालक फरार

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले में पुलिस ने मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मानपुर थाना और सिविल लाइन चौकी पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से चार वाहनों को जब्त किया है। इनमें दो ट्रक और दो पिकअप वाहन शामिल हैं।जब्त किए गए वाहनों में एमपी 17 एचएच 3047, यूपी 17 सीटी 1746, यूपी 73 ए 7445 और सीजी 31 बी 8590 नंबर की गाड़ियां शामिल हैं। ये सभी वाहन कोतमा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे थे।मानपुर थाना प्रभारी मुकेश मर्सकोले ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। वहीं सिविल लाइन चौकी प्रभारी बृज किशोर गर्ग के अनुसार उनकी टीम ने एक ट्रक को जब्त किया है। वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस को शनिवार को सुबह मुखबिर की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने वाहनों की चैकिंग शुरू की। मानपुर पुलिस ने मानपुर सोहागपुर सड़क मार्ग मे बिजौरी के पास ट्रक को जब्त किया। पुलिस को देख ड्राइवर मौके से ट्रक छोड़ भाग गए। 20 मवेशी जब्त किए गए हैं।

मप्र शासन ने अपोलो बिलासपुर को दी मान्यता

पत्रकार वार्ता में जनसंपर्क अधिकारी ने दी जानकारी

शहडोल, देशबन्धु। विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधा प्रदान करने में अग्रणी अपोलो हॉस्पिटल समूह की इकाई अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर विगत 24 वर्षों से छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश के नागरिकों को उच्च गुणवत्ता चिकित्सा उपलब्ध करा रही है। इसी गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए नवीनतम तकनीक व अनुभवी चिकित्सकों का समावेश लगातार करता रहा है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा भी अपने कर्मचारियों के इलाज के लिए अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर को मान्यता प्रदान की गई है। यह जानकारी शनिवार को यहां पत्रकार वार्ता के दौरान अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर के जनसंपर्क अधिकारी देवेश गोपाल ने दी।

उन्होंने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में हर नई तकनीक को अपोलो समूह में सर्वप्रथम अपनाया है और इसी के परिणाम स्वरुप अपोलो बिलासपुर छत्तीसगढ़ एवं आसपास के राज्यों के लिए आधुनिक फ्लैट पैनल कैथ लेब, एमआरआई, सीटी स्कैन, स्टेट ऑफ़ आर्ट लैब व मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर जैसी सुविधा सर्वप्रथम उपलब्ध कराई। इसी कड़ी में कैंसर जैसी बीमारी के लिए राज्य एवं आसपास के क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक रेडिएशन मशीन लीनियर एक्सीलेटर को भी अपोलो कैंसर हॉस्पिटल में स्थापित किया, जहां कैंसर के ट्रीटमेंट के लिए मेडिकल सर्जिकल एवं रेडिएशन ऑंकोलॉजी की सभी सुविधा मरीजों के लिए उपलब्ध हैं। अपोलो समूह के 14 कैंसर सेंटर एवं 350 से अधिक अनुभव प्रशिक्षित चिकित्सकों की टॉम किसी भी प्रकार के कैंसर के उपचार हेतु प्रतिबद्ध है।

जनसंपर्क अधिकारी देवेश गोपाल ने बताया कि अनुभवी कुशल चिकित्सकों की श्रृंखला में अपोलो बिलासपुर में हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर निखिल सिंघानिया व गुर्दा रोग विभाग में डॉक्टर विनय कुमार को अपनी टीम में सम्मिलित किया है।

डॉ. विनय कुमार ने एमबीएस उपरांत एमडी मेडिसिन गोवा मेडिकल कॉलेज से संपूर्ण की तथा उसके बाद रायपुर एम्स में डीएम नेफ्रोलॉजी का कोर्स कंप्लीट किया है। डॉ निखिल सिंघानिया ने एमबीएस उपरांत अपनी एम डी की डिग्री चंडीगढ़ से प्राप्त की उसके बाद डीएम कार्डियोलॉजी की पढ़ाई पांडिचेरी से संपूर्ण की। पत्रकार वार्ता में मौजूद दोनों डॉक्टरों का परिचय भी उन्होंने पत्रकारों से कराया।

उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से मरीज अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर में अपना उपचार प्राप्त करते रहे हैं और अब मध्य प्रदेश की शासकीय कर्मचारियों में उनके आश्रितों के लिए मध्य प्रदेश शासन द्वारा अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर को मान्यता प्रदान की गई है। इस मान्यता के तहत सभी शासकीय कर्मचारी एवं उनके आश्रित अपोलो हॉस्पिटल के लगभग 16 विभागों में चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर अपने विभाग से प्रतिपूर्ति प्राप्त कर सकते हैं। इस सुविधा के उपरांत मध्य प्रदेश के शासकीय कर्मचारी एवं उनके आश्रितों को उपचार हेतु महानगरों की ओर नहीं जाना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि अपने आरंभ से अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर में अब तक लगभग 25 हजार एंजियोग्राफी, 9 हजार एंजियोप्लास्टी, 1500 सीएबीजी, लगभग 3 लाख डायलिसिस और 45 किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक संपादित किया जा चुके हैं। मरीजों की सुविधा हेतु ऑनलाइन अपॉइंटमेंट की सुविधा भी अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर में उपलब्ध है।

अपोलो बिलासपुर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निखिल सिंघानिया ने वर्तमान समय में युवाओं को भी आ रहे हार्ट अटैक के संबंध में बताया कि आज लोगों की जीवन शैली पूरी तरह से बदल गई है। लोग मैदानी खेल से दूर होकर इंडोर गेम और कंप्यूटर में व्यस्त हैं जिसके चलते इस तरह की दिक्कतें सामने आ रही हैं। डीएम नेफ्रोलॉजी डॉ. विनय कुमार ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि शुगर और ब्लड प्रेशर के कारण इस समय किडनी की बीमारियां बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि संयमित जीवन शैली और सुबह टहलने व व्यायाम करने से बीमारियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव पर संगोष्ठी 26 को

सेवानिवृत न्यायाधीश करेंगे संबोधित

शहडोल, देशबन्धु। एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर आधारित प्रबुद्ध जन संगोष्ठी का आयोजन मानस भवन शहडोल में 26 मार्च को दोपहर एक बजे आयोजित किया जा रहा है। जिला स्तरीय प्रबुद्ध जन संगोष्ठी को देश के प्रसिद्ध न्यायाधिपति रिटायर्ड जस्टिस रोहित आर्या संबोधित करेंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा की उपस्थिति में एक राष्ट्र एक चुनाव जिला टोली की बैठक भाजपा जिला कार्यालय शहडोल में आयोजित की गई। बैठक में एक राष्ट्र एक चुनाव टोली के जिला संयोजक हर्षवर्धन सिंह सहसंयोजक चंद्रेश द्विवेदी एडवोकेट मनोज सिंह आर्मो द्वारा वन नेशन वन इलेक्शन से संबंधित पूर्व में आयोजित किये जा चुके कार्यक्रमों एवं आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से प्रकाश डाला गया।

बैठक में यह सुनिश्चित किया गया कि विचार गोष्ठी में शहडोल जिले के समस्त समाजसेवी, पत्रकार बंधु,महिला क्लब, डॉक्टर, इंजीनियर, अधिवक्ता, पेंशनर्स, विधि छात्र, पाषर्दगण, उद्योगपति, बिल्डर, चार्टर अकाउंटेंट, सहित विविध सामाजिक संगठनो के प्रतिनिधियों व प्रबुद्ध जनों को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक मे कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु भाजपा जिलाध्यक्ष श्री मती अमिता चपरा द्वारा एक राष्ट्र एक चुनाव जिला टोली के मध्य कार्य विभाजन करते हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी सौपी गई है । भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा संयोजक हर्षवर्धन सिंह सह संयोजक चंद्रेश द्विवेदी एडवोकेट मनोज सिंह आर्मो ने जिले के सभी प्रबुद्ध जनों से जिला संगोष्ठी में उपस्थित होने की अपील की है। बैठक मे वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र भारती बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक राजेश्वर उदानिया पेंशनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के पदाधिकारी रविकरण त्रिपाठी भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी राकेश सोनी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक गोपाल शर्मा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अजय मिश्रा भी मौजूद थे।

आवास योजना का लाभ नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

उमरिया, देशबन्धु। जिले के ग्राम पंचायत कुशमहां सेजवाही के ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य सरकारी आवास योजनाओं का लाभ न मिलने के विरोध में जनपद पंचायत मानपुर के सामने क्रमिक हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल 27 मार्च तक चलेगी। इस दौरान अगर कोई समाधान नहीं निकला तो 28 मार्च से ग्रामीण भूख हड़ताल शुरू करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि वे सभी पात्रता मानकों को पूरा करते हैं, फिर भी अब तक उन्हें आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। गांव के कई लोग आज भी कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं। स्थानीय प्रशासन से कई बार गुहार लगाने और ज्ञापन सौंपने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस कारण ग्रामीणों ने आंदोलन का रास्ता अपनाने का फैसला किया है।

ग्राम पंचायत कुशमहां सेजवाही के सरपंच सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि हम कई वर्षों से सरकार और प्रशासन से अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं, लेकिन हमें केवल आश्वासन ही मिले हैं। गांव के गरीब और जरूरतमंद परिवार आज भी पक्के मकान के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। फिलहाल, प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

जेसीबी से खुदवाया तालाब, मजदूरों को नहीं दिया काम

नहीं मिल रहा लोगों को रोजगार

मझौली, देशबन्धु। जनपद पंचायत मझौली अंतर्गत ग्राम पंचायत रोजगार गारंटी योजना जिम्मेदारों के लिए कमाई का जरिया बनी है जबकि जरूरतमंद लोगों को ऐसे कामों में रोजगार भी नहीं मिल रहा है। ताजा मामला ग्राम पंचायत नौढ़िया का प्रकाश में आया है जहां पार्कोलेशन टैंक निर्माण इंद्रपाल सिंह के घर के पास का निर्माण कार्य कराया जा रहा है वहीं रिकॉर्ड के मुताबिक 174000 रु मजदूरी भुगतान किया गया है जबकि ग्रामीणों ने बताया कि पूरा काम जेसीबी मशीन से कराया जाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि यहां पहले वाटर सेड से तालाब का निर्माण कराया गया था उसी को ग्राम पंचायत द्वारा दूसरे निर्माण कार्य का नाम देकर जेसीबी से खुदाई की गई है। ग्राम पंचायत के जिम्मेदार सरपंच सचिव एवं रोजगार सहायक होते हैं जबकि निर्माण कार्य की निगरानी उपयंत्री के द्वारा की जाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि तालाब में नया निर्माण कार्य की स्वीकृत किस आधार पर दी गई है वहीं जब एक भी मजदूर काम नहीं किया है तो फर्जी मास्टर रोल के जरिए राशि आहरण कराई जाती है जिसमें भी उपरोक्त सभी की मिलीभगत से ही ऐसा संभव है।

इनका कहना है - यहां पर पहले वाटर सेड से तालाब निर्माण कराया गया था और इसी तालाब में ग्राम पंचायत द्वारा जेसीबी मशीन से खुदाई कराई जा रही है काम ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाता है लेकिन सरपंच सचिव के दर्शन नहीं होते हैं उनके सगे संबंधी काम में आते हैं।

आनंद बहादुर सिंह, ग्रामीण, टिकुरी टोला

सीईओ के द्वारा हमे जानकारी मिली थी जिसको संज्ञान में लेकर उपयंत्री को नोटिस जारी कर जांच जब तक न हो काम बंद करने के लिए निर्देशित की गई हैं।

सरिता सिंह, एसडीओ, ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा

आपके द्वारा मामला संज्ञान में दिया गया है और सहायक यंत्री को जांच करने को निर्देशित किया गया है।

ज्ञानेंद्र मिश्रा, सीईओ, मझौली

मत्स्य पारिस्थितिकी पर केंद्र ने राज्य को दिया नोटिस

डॉ.प्रणय तिवारी के पत्र पर कार्रवाई

ब्यौहारी, देशबन्धु। केंद्रीय मत्स्य मंत्रालय ने डॉ. प्रणय तिवारी की शिकायत पर 10 मार्च को पुन: मध्य प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव मत्स्यिकी मत्स्य राज्य विभाग मध्य प्रदेश शासन को नोटिस भेजकर प्रकरण के पूर्ण निराकरण को करवाकर स्वयं भी स्पष्ट जवाब मांगा है। आवेदक को भी पूर्णत: संतोषजनक जवाब देने का आग्रह किया है, जिसकी एक कापी निदेशक मस्त्यिकी एवं मत्स्यिकी निदेशालय को भी भेजी है, दूसरी कापी मत्सिकी विभाग सीपीग्राम के नोडल अधिकारी को भेजी है। नदियों के भले ही लीज पर रहा रेत उत्खनन रहा हो तो क्या गहराई से पोकलेन मशीन द्वारा नदी की बीच और गहरी जगह से उत्खनन करके मत्स्य पारिस्थितिकी तंत्र को नुक्सान पहुंचाने हेतु लीज तो नहीं दी है। इसीलिए केंद्र सरकार अपना कार्य कर रही है और आवेदक के सारे तथ्यों का अवलोकन करने के बाद डिप्यूटी कमिश्नर मत्स्यिकी ने मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

शिकायतकर्ता द्वारा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम एवं पारिस्थितिकी तंत्र ,जैव विविधता पर रेत उत्खनन के कारण उत्पन्न हो रहे मत्स्य पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को कई बार सीएम हेल्पलाइन को दिया था, परन्तु कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के कारण वह बार बार फोर्स क्लोज हो रहा था इसलिए प्रकरण को केंद्र सरकार को भेजा गया और उसके वैधानिक कागज भी प्राप्त हुए यदि मत्स्य पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था तो जिले की मत्स्य शाखा को क्या इतना भी भान नहीं रहा होगा कि चुप रहने से हमारा ही अपराध सिद्ध होता है, इनसे जब बोलो अनपढ़ों की तरह जवाब देते थे कि लीज हमने नहीं दी। मछलियों पर जल प्रदूषण का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ रहा था, क्या मत्स्य विभाग भी उत्खनन विभाग में विलीन हो गया है तो मामला बार बार संज्ञान में लाने के बाद भी मत्स्य विभाग ने उत्खनन स्थल पर अपनी संपदा का अवलोकन करने का प्रयास किया। लीज तुमने नहीं दी परंतु उसमें रहने वाले जलचर तो तुम्हारे उत्तरदायित्व के दायरे में आते हैं तो फिर सब कुछ जानते हुए भी मौन धारण करना मिलीभगत ही दर्शाता है। सहकार ग्लोबल कंपनी ने अंधाधुंध उत्खनन विभागों को साथ में लेकर किया और समयलाल गुप्ता निराकरण के स्थान पर शिकायतें कटवाने में जोर देते रहे और बेवकूफ समझकर शिकायतें कटवाते रहे जीव जगत को सुरक्षित रखते हुए उत्खनन की लीज स्वीकृत होती है चाहे वो बाबा महाकाल कंपनी हो या सहकार ग्लोबल कंपनी पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत जलवायु , पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करने वाली कंपनी भी अपराधी मानी जायेगी और शासकीय विभाग भी अपराधी माने जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण का यही कानून है तो अब तैयार हो जाएं न्यायालय के समक्ष आने के लिए पिटिशन की तैयारी तो हो ही चुकी है।